चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	27-3-25	02	3-8

कार्यक्रम • एचएयू में राष्ट्रीय एकता शिविर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया

13 राज्यों के 200 स्वयंसेवक एचएयू पहुंचे राज्यों की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरफ से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें स्वयंसेवकों ने अपने-अपने राज्यों की नृत्य कला का प्रदर्शन किया। भरत नाट्यम, हरियाणवी, पंजाबी नृत्य से स्वयं सेवकों ने समा बांध दिया। इस राष्ट्रीय एकता शिविर में 13 राज्यों के 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले कृषि कॉलेज के ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम कया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि एवं शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विविके पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि युवाओं में व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण करके राष्ट्र को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। स्वयंसेवकों के द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों से आम नागरिकों में ऊर्जा एवं प्रेरणा की भावना जागृत होती है। स्वयंसेवकों में सामाजिक सेवा की भावना विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता, ग्रामीण विकास और स्वच्छता अभियान चलाने से लोगों को प्रेरणा मिलती है। युवा शक्ति को निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए।

हिसार। सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य पर प्रस्तुति देते स्वयंसेवक।

एचएयू के कृषि कॉलेज में लगाए शिविर में 117 यूनिट रक्त एकत्रित

हिसार| एचएयू के कृषि कॉलेज में रक्तदान शिविर लगाया गया। छात्र कल्याण निदेशालय की तरफ से आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रक्तदाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27-3-25	03	2-5

सांस्कृतिक विविधता को समझने का मौका देता है राष्ट्रीय एकता शिविर : डॉ. खीचड़

एचएयू में आयोजित शिविर में एकमंच पर दिखी देश की विभिन्न संस्कृतियों की झलक

एचएयू के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के कार्यक्रम में मौजूद प्रतिभागी। संवाद

राष्ट्रीय एकता शिविर के कार्यक्रम में प्रस्तुति देती प्रतिभागी। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से राष्ट्रीय एकता शिविर के छठे दिन कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में दूसरे प्रदेशों की संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खीचड़ ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर हमें सांस्कृतिक विविधता को समझने का मौका देता है।

कार्यक्रम में मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई मुख्य अतिथि रहे। डॉ. खीचड़ ने बताया कि शिविर में 13 राज्यों के 200 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को देश प्रेम का संदेश देते हैं। हमें दूसरे राज्यों की संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान के बारे में बारीकी से जानकारी मिलती है। एचएयू की ओर से हर साल लगातार इस तरह के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस मौके पर डॉ. चन्द्रशेखर डागर समेत अन्य मौजूद रहे।

एचएयू में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देती प्रतिभागी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27-3-25	01	2-3

अंगूठे पर घुमा दिया पहिया...

एचएयू के हरियाणा एग्रीकल्चर कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन समारोह में पांव पर साइकिल का पहिया घुमाकर प्रस्तुति देता प्रतिभागी। -विस्तृत खबर पेज-3

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27-3-25	04	7-8

रक्त का नहीं है कोई विकल्प : प्रो. बीआर काम्बोज

रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते प्रो. बीआर काम्बोज • विज्ञप्ति

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रक्तदाताओं से कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। रक्तदान को महादान माना गया है। रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है। छात्र कल्याण निदेशक डा. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	27-3-25	02	6-8

रक्त की पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव: प्रो. काम्बोज

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

हिसार, 26 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने रक्तदाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। रक्तदान को महादान माना गया है।

गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है। उन्होंने रक्तदाताओं से कहा कि वे लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें।

प्रो. बी.आर. काम्बोज रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए

एक स्वस्थ व्यक्ति 18 से 65 वर्ष की आयु तक प्रत्येक तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से व्यक्ति के शरीर पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया शिविर में 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, यूथ रेडक्रॉस सैल, एन.सी.सी., एन.एस.एस. सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	27-3-25	11	5-8

रक्त की पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

■ शिविर में रक्तदान करने वालों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने रक्तदाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। रक्तदान को महादान माना गया है। उन्होंने रक्तदाताओं से कहा कि वे लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से डॉ. योगेश, तकनीकी अधिकारी अनिल कुमार व सत्यवान, एसआईटी सुदामा, काउंसलर संतरो देवी, शीला व मुकेश उपस्थित रहे।

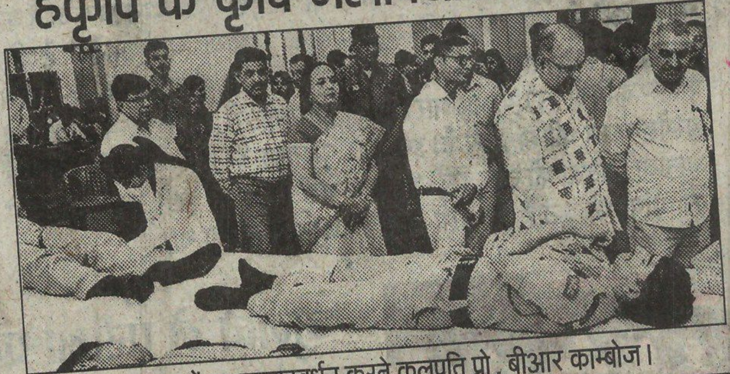

हिसार। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	27-3-25	04	1-2

न्यूज डायरी

शिविर में 117 ने युवाओं ने किया रक्तदान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया। शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना अवॉर्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, यूथ रेडक्रॉस सेल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से डॉ. योगेश, तकनीकी अधिकारी अनिल कुमार व सत्यवान, एसआईटी सुदामा, काउंसलर संतरो देवी, शीला व मुकेश उपस्थित रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	27-3-25	06	7-8

दैनिक भास्कर

साइलेज से हरे-चारे की कमी दूर होगी, जई का अचार बना करें स्टोर

10 फीट गड्ढे में 50 क्विंटल चारे का साइलेज बना सकते हैं

भास्कर न्यूज़ | हिसार

खेती के साथ-साथ किसानों की आमदनी का साधन पशुपालन है। इसके लिए जरूरी है कि पशु को सालभर पौष्टिक व संतुलित मात्रा में हरा व सूखा चारा मिलता रहे। गर्मी में हरे-चारे की कमी हो जाती है। हरे-चारे का साइलेज बनाकर पशु को खिलाना बेहतर विकल्प है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चारा अनुभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. सतपाल ने बताया कि किसान हरे-चारे की कमी के समय पशु को इसका अचार खिलाकर पूर्ति कर सकते हैं। खरीफ में ज्वार, मक्का व बाजरा और रबी के मौसम में जई का साइलेज बनाया जा सकता है। फिलहाल जई का अचार बनाया जा सकता है। साइलेज बनाने के लिए चारे की कुट्टी कर लें, जिसकी लम्बाई एक इंच से ज्यादा न हो। चारे में शुष्क पदार्थ 30 से 40% तक अवश्य होना चाहिए। अधिक सूखे चारे का साइलेज भली प्रकार बंध नहीं पाता और बीच में हवा रह जाने से फफूंदी लग जाती है। इसके अलावा पानी की मात्रा अधिक होगी तो साइलेज सड़ जाएगा। साइलेज तैयार करने के लिए गड्ढे की लम्बाई, चौड़ाई व गहराई पशुओं की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

ऐसे बनाएं साइलेज

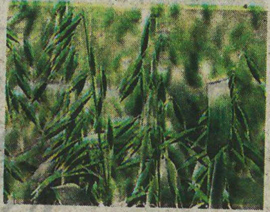

10 फीट लंबे, 5 फीट चौड़े व 6 फीट गहरे गड्ढे में 50 क्विंटल हरे चारे का साइलेज बनाया जा सकता है। कच्चे गड्ढे को भरने से पहले उसकी दीवार व धरातल को गोबर या मिट्टी से लीप दें। मिट्टी व हरे-चारे के सीधे संपर्क को रोकने के लिए गेहूं का भूसा चारों तरफ व धरातल पर लगा देना चाहिए। ऊपर के भाग में विशेषकर दीवारों के आसपास, साइलेज बनाने की सामग्री को दबा दें। साइलेज को हवा से बचाने के लिए गड्ढा भरने के तुरंत बाद मिट्टी व गोबर से 5-6 इंच तक मोटी परत से मुहरबंदी करनी चाहिए। साइलेज 45 से 50 दिनों में बन कर तैयार हो जाता है। सामान्यतः एक घन फुट जगह में 15 किलो साइलेज आता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	26.03.25	--	--

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया। प्रो काम्बोज ने कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। रक्तदान को महादान माना गया है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	26.03.25	--	--

रक्त की पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने रक्तदाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। रक्तदान को महादान माना गया है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है। उन्होंने रक्तदाताओं से कहा कि वे लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें।

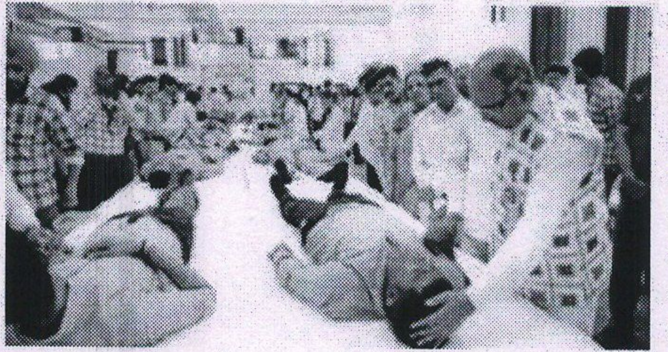

एक स्वस्थ व्यक्ति 18 से 65 वर्ष की आयु तक प्रत्येक तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से व्यक्ति के शरीर पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को रक्त की पूर्ति की जा सके। रेड क्रॉस सोसायटी और एनजीओ इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से डॉ. योगेश, तकनीकी अधिकारी अनिल कुमार व सत्यवान, एसआईटी सुदामा, काउंसलर संतरो देवी, शीला व मुकेश उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षाविद्, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एनएसएस, एनसीसी व यूथ रेड क्रॉस के वालिंटियर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	27-3-25	05	1-3

रक्त की पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभव : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

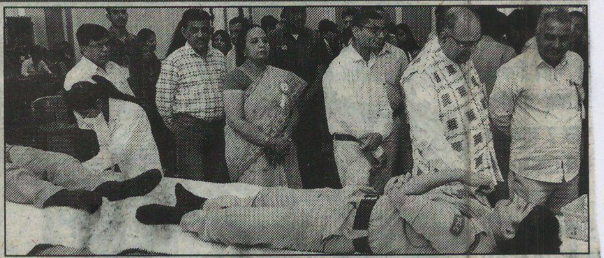

प्रो. बी.आर. काम्बोज रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए

हिसार, 26 मार्च (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने रक्तदाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। रक्तदान को महादान माना गया है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है। उन्होंने रक्तदाताओं से कहा कि वे लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें। एक स्वस्थ व्यक्ति 18 से 65 वर्ष की आयु तक प्रत्येक तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से व्यक्ति के शरीर पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को रक्त की पूर्ति की जा सके। रेड क्रॉस सोसायटी और एनजीओ इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से डॉ. योगेश, तकनीकी अधिकारी अनिल कुमार व सत्यवान, एसआईटी सुदामा, काउंसलर संतरो देवी, शीला व मुकेश उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षाविद्, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, एनएसएस, एनसीसी व यूथ रेडक्रॉस के वालिंटियर्स एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	26.03.25	--	--

हकृवि में माता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। समाजसेवी कृष्ण मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि माता अहिल्याबाई होल्कर को उनके सुशासन, धर्म के पुनर्जागरण, महिला सशक्तिकरण व अपनी प्रजा को संतान की तरह पालन के लिए जाना जाता है। रोजगार के लिए विश्व प्रसिद्ध महेश्वरी साड़ी का व्यापार करना, किसानों के लिए उत्तम खेती का प्रयास, महिलाओं की सेना तैयार करना, अपनी पुत्री का विवाह भी एक वीर भील के साथ करना, अपने पति को जुर्माना लगाना, सती प्रथा, शिक्षा व स्वरोजगार आदि अनेक कार्य करने का श्रेय जाता है।

मुख्य वक्ता कृष्ण ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि माता जी का जीवन प्रेरणा देने वाला है और समाज में उनके कार्य की चर्चा व साहित्य आदि पढ़ना चाहिए। उन्होंने अपने राज्य की सीमाओं से बाहर भी प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर मन्दिरों और अन्य संरचनाओं का निर्माण करवाया था। उनकी राष्ट्रीय दृष्टि और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रयासों ने उन्हें इतिहास में विशेष स्थान दिलाया है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने छात्र-छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के योगदान के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	26.03.25	--	--

स्वयंसेवक अनुशासन, ईमानदारी व निस्वार्थ सेवा कर बने दूसरों के लिए रोल मॉडल : प्रो. बी. आर. काम्बोज

हकृवि में एनएसएस शिविर के पांचवें दिन कार्यक्रम आयोजित

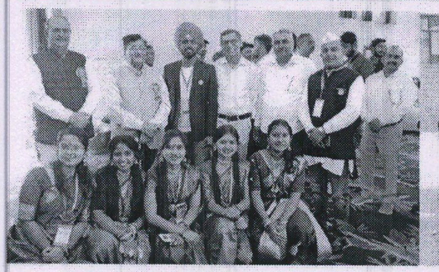

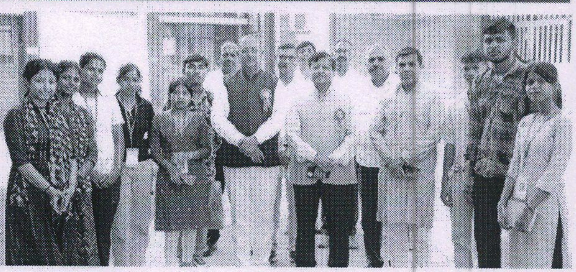

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 26 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के पांचवें दिन कृषि महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि एवं शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. जेपी शर्मा मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि युवाओं में व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण करके राष्ट्र को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। स्वयंसेवकों के द्वारा किए जाने वाले सामाजिक कार्यों से आम नागरिकों में ऊर्जा एवं प्रेरणा की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वयंसेवकों में नेतृत्व गुण, भाईचारा, टीम भावना और जोखिम उठाने की क्षमता कायम होती है। स्वयंसेवकों में सामाजिक सेवा की भावना विकसित करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता, ग्रामीण विकास और स्वच्छता अभियान चलाने से लोगों को प्रेरणा मिलती है। युवा शक्ति को निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जीवन में चुनौतियां और बाधाएं बहुत है। विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

शेर ए कश्मीर कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो जेपी शर्मा ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मोटिवेशन कम्युनिकेशन स्किल तथा एटीट्यूड होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि डर और भय डिसीजन मेकिंग को खत्म कर देता है। इसलिए युवाओं को अपना लक्ष्य निर्धारित करके कड़ी मेहनत करनी चाहिए। जीवन में आगे बढ़ने के लिए उत्साह, लग्न और जुनून होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़ा सोचे और सपना वो देखें जो आपको सोने ना दे। जो आप सोचते हैं वह कर सकते हैं। जीवन में तरक्की दिमाग से मिलती है, इसलिए अपने माइंड को सही ढंग से मैनेज करें। उन्होंने कहा कि जब तक आपको सफलता ना मिले उस काम ना छोड़े।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एम.एल. खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस शिविर में देश के विभिन्न 13 राज्यों के 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में आए हुए सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्र नमन कौशिक ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, डॉ. चन्द्रशेखर डागर, विभिन्न राज्यों के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	27-3-25	12	6-8

अहिल्याबाई होल्कर को याद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अन्य। फोटो :हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। समाजसेवी कृष्ण मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि माता अहिल्याबाई होल्कर को उनके सुशासन, धर्म के पुनर्जागरण, महिला सशक्तिकरण व अपनी प्रजा को संतान की तरह पालन के लिए जाना जाता है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने छात्र-छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुनील ने मंच का संचालन किया और कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, कार्यकर्ताओं और अन्य नागरिकों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	27.3.25	10	1-2

हकृवि ने मनाई माता अहिल्याबाई होल्कर जयंती

हिसार, 26 मार्च (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। समाजसेवी कृष्ण मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि माता अहिल्याबाई होल्कर को उनके सुशासन, धर्म के पुनर्जागरण, महिला सशक्तिकरण व अपनी प्रजा को संतान की तरह पालन करने के लिए जाना जाता है। रोजगार के लिए विश्व प्रसिद्ध महेश्वरी साड़ी का व्यापार करना, किसानों के लिए उत्तम खेती का प्रयास, महिलाओं की सेना तैयार करना, अपनी पुत्री का विवाह भी एक वीर भील के साथ करना, अपने पति को जुर्माना लगाना, सती प्रथा, शिक्षा व स्वरोजगार आदि अनेक कार्य करने का श्रेय जाता है।

समाजसेवी एवं मुख्य वक्ता कृष्ण ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने छात्र-छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	27-3-25	02	05

अहिल्याबाई ने उठाई महिला सशक्तिकरण की आवाज : डा. मदन खीचड़

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

छात्र कल्याण निदेशक डा. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। कृष्ण मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। डा. मदन खीचड़ ने बताया कि माता अहिल्याबाई होल्कर को उनके सुशासन, धर्म के पुनर्जागरण, महिला सशक्तिकरण व अपनी प्रजा को संतान की तरह पालन के लिए जाना जाता है। 300वीं जयंती पर देशभर में कार्यक्रम हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	27-3-25	04	7-8

माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 26 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। समाजसेवी कृष्ण मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पाहुजा ने छात्र-छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी।